



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 1, 1997/फाल्गुन 10, 1918  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 1, 1997/PHALGUNA 10, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union  
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.अ. 32.— यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1996 में हुए विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए 138-दमदम विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री किशोर चुर लाव, निवासी-37, रामानन्द चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता-9 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा उनके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अपने निर्वाचन-व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त अभ्यर्थी ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं दिया है अथवा या उनके द्वारा दिए गए समावेदन पर यदि कोई ही विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उक्त असफलता के लिए उक्त वास्तविक कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग इसके द्वारा श्री किशोर चुर लाव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा या विधान परिषद के सदस्य चुने जाने योग्य होने के लिए उप आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/प.बं.-वि.स./97(2)]

आदेश से,  
धनश्याम खोहर, सचिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

## ORDER

New Delhi, the 7th February, 1997

O.N. 32.—Whereas, the Election Commission is satisfied that Shri Kishore Churu Law, R/o 37, Ramananda Chatterjee Street, Calcutta-9, the contesting candidate in 138-Dum Dum Assembly Constituency at the General Election to Legislative Assembly, 1996 has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said fail-

ure, even after due notice of the Election Commission, after considering the representation, if any, made by him is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure.

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares Shri Kishore Churu Law to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/U.T. for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76/WB-LA/97(2)]

By Order,  
GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.अ. 33.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र में 1996 में हुए लोकसभा के निर्वाचन में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में यथार्थगत अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण प्रवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेशों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है;

अतः अब निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है:—

सारणी

क्रम सं.	संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम	निरहता का कारण
1	2	3	4
1.	5—केन्द्रपाड़ा	गणेश्वर पारिदा, स्थान—डुतिआल, डाकघर—पुरुषोत्तम पुर जिला—केन्द्रपाड़ा उड़ीसा।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
2.	9—भुवनेश्वर	वीरा किशोर दाम, ग्राम—कालादिया, डाकघर—नामोजा, जिला—केन्द्रपाड़ा, उड़ीसा।	—वही—

1	2	3	4
3. 9—	भुवनेश्वर	श्रीराम चन्द्र माहू रतन बेहरा सुप्रीम कैपिटल, स्थान/डाकघर कोकोरदा पिन-761144 जिला-गंजम, उड़ीसा	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे
4. 17—	सम्बलपुर	तेजाराज नायक, स्थान/डाकघर-बरहागुडा, जिला-बारगढ़, उड़ीसा ।	विधि द्वारा अपेक्षित रीति में निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे ।
5. 17—	सम्बलपुर	दशरथ पात्रा स्थान-केन्दपाली डाकघर-चाकरकेन्द जिला-बारगढ़, उड़ीसा	—वही—

[सं. 76/उड़ीसा-लो.स./97 (2)]

आदेश से,

घनश्याम खोहर, सचिव

## ORDER

New Delhi, the 7th February, 1997

O. N. 33.—Whereas, the Election Commission is satisfied that the contesting candidates specified in column (3) of the Table below at the election to the House of the People 1996 held from the constituency specified in column (2) against his/her name has failed to lodge an account of his/her election expenses or in the manner required by law, as shown in column (4) of the said table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations if any, made by him/her is satisfied that he/she has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (3) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	No. & Name of Parliamentary Constituency	Name of contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4
1.	5-Kendrapara	Ganeswar Parida., At-Dutial, PO—Purusottampur, Distt. Kendrapara, Orissa.	Failed to lodge the account of election expenses.

1	2	3	4
2.	9-Bhubaneswar	Bira Kishore Dash, Vill—Kaladia, PO—Namouza, Distt. Kendrapada, Orissa.	Failed to lodge the account of election expenses.
3.	9-Bhubaneswar	Sriramachandra Sahoo Ratna Behera, Supreme Capital, At/PO—Konkorada, Pin. 761144, Distt. Ganjam, Orissa.	—do—
4.	17-Sambalpur	Tejaraj Nayak, At/ P.O. Barhaguda, Distt. Bargarh, Orissa.	Failed to lodge the account of election expenses in the manner required by law.
5.	17-Sambalpur	Dasharath Patra, At-Kandpali, PO—Chakarkend, Distt. Bargarh, Orissa.	—do—

[No. 76/OR-HP/97(2)]

By Order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.अ. 34.— यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ 3 में यथा विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से 1995 में हुए उड़ीसा विधान सभा के साधारण उप-निर्वाचन में उसके सामने स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ 5 में यथा दर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है;

और यतः, उक्त अभ्यर्थी ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उस द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

## सारणी

क्रम सं.	निर्वाचन का विवरण	निर्वाचन-क्षेत्र का नाम व क्रम सं.	अभ्यर्थी का नाम व पता	निरहिता का कारण
1	2	3	4	5
1.	उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन	5—चांगड़ीपोसी (अ. ज. जा.)	श्री क्षेत्रमोहन मराण्डा स्थान बालीजोड़ी पो.—नूहमालिया जिला—मयूरभंज, उड़ीसा।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे।

1	2	3	4	5
2.	उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन	50-भुवनेश्वर	श्री अणोक कुमार सामन्तरे ग्राम/पो. आ. -बारमुण्डा भुवनेश्वर, उड़ीसा ।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे ।
3.	—वही—	56-पुरी	श्री प्रफुल्ल कार स्थान मारकेण्डेयवर साही समील मिश्र साही, पुरी टाउन, जिला पुरी उड़ीसा ।	—वही—
4.	—वही—	56-पुरी	श्री चिन्तामणी मिश्रा, ग्राम/पो. आ. बीराहारे कृष्णापुर, जिला पुरी उड़ीसा ।	—वही—
5.	—वही—	125-बिजेपुर	श्री छलिया मेहर स्थान/पो. आ. वारापाली, थाना-वारपाली जिला-बारगढ़ उड़ीसा ।	—वही—
6.	उड़ीसा विधान सभा के लिए उप-निर्वाचन, 1996	54-काकटपुर	श्री प्रमोद बिस्वाल ग्राम/पो. आ. देहनिया, जिला पुरी उड़ीसा ।	—वही—

[सं. 76/उड़ीसा-वि.स./97(2)]

आदेश से,

धनश्याम खोहर, सचिव

## ORDER

New Delhi, the 7th February, 1997

O.N. 34.—Whereas, the Election Commission is satisfied that each contesting candidate specified in column (4) of the Table below at the General/Bye-Election to the Orissa Legislative Assembly held in 1995 and 1996 from the Assembly Constituency as specified in column (3) against his/her name has failed to lodge an account of his/her election expenses as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made there under ;

And whereas, the concerned candidate has either not furnished any reason/explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representation, if any made by him/her is satisfied that he/she has no good reason or justification of the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, 1951 the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of election	Sl.No. & Name of Constituency	Name and Address of candidate	Reason for dis-qualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the Orissa Legislative Assembly, 1995	5-Bangriposi (ST)	Shri Kshetramohan Marandi, At : Balijodi, PO : Nuhamalia, Dist : Mayurbhanj Orissa	Failed to lodge any accounts of election expenses.
2.	-do-	50-Bhubaneswar	Shri Ashok Kumar Samantaray, Vill/P.O.-Baramunda, Bhubaneswar, Orissa.	do-
3.	-do-	56-Puri	Shri Prafulla Kar, At : Markandeswarsahi Samil Mishra Sahi, Puri town, District : Puri, Orissa.	-do-
4.	do-	56-Puri	Shri Chintamani Mishra, Vill/PO : Birahare- krushnapur, District : Puri, Orissa.	do-
5.	-do-	125-Bijepur	Shri Chhaila Meher At/P.O. : Barpali, PS. Barpali, District : Bargarh, Orissa.	-do-
6.	Bye-election to the Orissa Legislative Assembly, 1996.	54-Kakatpur	Shri Pramod Biswal, Vill/P.O. : Derunia, Dist : Puri, Orissa.	-do-

[No. 76/OR-LA/97 (2)]

By Order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

## शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

आ.श्र. 35.— भारत के राजपत्र के साधारण राजपत्र और पश्चिम बंगाल सरकार के राजपत्र के साधारण राजपत्र में भी प्रकाशित तारीख 7 जनवरी, 1997 के आयोग के आदेश सं. 76/प.बं.-वि.स./97(1) में संलग्न सारणी में निम्नलिखित त्रुटियों की परिशुद्धि की जाएगी :—

(i) स्तम्भ 3 के नीचे क्रम संख्या 12 के सामने विद्यमान शब्द “पी.एस बेल्लाटोरे” के स्थान पर “पी.ओ. बेल्लाटोरे”, और

(ii) स्तम्भ 3 के नीचे क्रम संख्या 13 के सामने विद्यमान शब्द “श्री अब्दुल हरि मल्लिक” के स्थान पर “श्री अब्दुल हाय मल्लिक” पढ़े जाएंगे।

[सं. 76/प.बं.-वि.स./97(1)]

आदेश से,

घनश्याम खोहर, सचिव

## ERRATA

New Delhi, the 10th February, 1997

O.N. 35.—In the Commission's Order No. 76/WB-LA/97 (1) dated the 7th January, 1997, published in the Gazette of India, Ordinary Gazette and also published in the West Bengal Government Gazette in the Ordinary Gazette, the following errors in the Table appended to the above order shall be rectified.—

- (i) against Sl. No. 12 under column 3 for the existing words "P.S. Beliatore", the words "P. C. Beliatore", and
- (ii) against Sl. No. 13 under column 3 for the existing words "Shri Abdul Hari Mallick", the words "Shri Abdul Hai Mallick", shall be read.

[No. 76/WB-LA/97 (1)]

By Order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

आ.अ. 36:—यतः 24 मंगोलपुरी (अ.जा.) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से नवम्बर, 1993 में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र की विधान सभा के लिए हुए साधारण निर्वाचन के लिए निर्वाचन लड़ने वाले एक अभ्यर्थी, श्री उमेश सिंह कश्यप, निवासी-गांव ककरोला, नई दिल्ली-110043 को, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के नियम 10क के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा सम्यक् रीति से दाखिल करने में असफल रहने के कारण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तारीख 7-11-96 के अपने आदेश सं 76/दिल्ली-वि.सं./94(14) द्वारा निरहित किया गया था, और

यतः, उक्त श्री उमेश सिंह कश्यप ने अपने ऊपर अध्यारोपित निरुहता को हटाने के लिए एक याचिका प्रस्तुत की थी, और

यतः, आवेदक की याचिका पर विचार करने के बाद उन्हें आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर दिया गया था, और

यतः, श्री उमेश सिंह कश्यप ने यह पैरवी की कि उनके ऊपर अध्यारोपित निरुहता हटा दी जाए, और

यतः, इस मामले में संबंधित सभी सारवान तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 तथा धारा 19क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग ने उक्त अधिनियम के नियम 10क के अधीन आयोग के तारीख 7-11-96 के आदेश द्वारा श्री उमेश सिंह कश्यप पर अध्यारोपित निरुहता को अपने तारीख 5-2-97 के आदेश द्वारा तारीख 30-1-97 से हटा दिया है।

यतः अब, श्री उमेश सिंह कश्यप का नाम राजपत्र में यथाप्रकाशित आयोग के तारीख 7-11-96 के आदेश सं. 76/दिल्ली-वि.सं./94(14) खण्ड-II में से तारीख 30-1-97 को और उस तारीख से हटा दिया समझा जाएगा।

[सं. 76/दिल्ली-वि.सं./94-खंड II]

आदेश से,

के.जे. राव, सचिव

New Delhi, the 7th February, 1997

O.N. 36.—Whereas, Shri Umed Singh Kashyap resident of Village Kakrola, New Delhi-110043, a contesting candidate for the General Election to the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi for 24-Mangolpuri (SC) Assembly Constituency, held in November, 1993 was disqualified by the Election Commission of India vide its order No. 76/DL-LA/94(14) Vol. II dated 7-11-96 under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for failure to lodge accounts of election expenses within the time and in the manner as required by the said Act and Rules made thereunder; and

Whereas, the said Shri Umed Singh Kashyap had submitted a petition before the Election Commission of India for removal of disqualification imposed on him, and

Whereas, after considering the petition the applicant was given the opportunity of a personal hearing before the Commission, and

Whereas Shri Umed Singh Kashyap pleaded that the disqualification imposed upon him may be withdrawn, and

Whereas, taking into account all material facts of the case, the Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of the People Act, 1951, has vide its order dated 5-2-97 removed the disqualification imposed upon Shri Umed Singh Kashyap by the Commission's order dated 7-11-96, under section 10A of the said Act, with effect from 30-1-97.

Now, therefore the name of Shri Umed Singh Kashyap shall deem to have been omitted from the Commission's order No. 76/DL-LA/94(14) Vol. II dated 7-11-96 as published in the Gazette, on and from 30-1-97.

[No. 76 DL-LA/94-Vol II]

By Order,

K. J. RAO, Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

अ.अ. 37 :—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से श्री ए. भारत के स्थान पर श्री एस. के. हाजरा, आई.ए.एस. सचिव कर्नाटक सरकार को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से और आगामी आदेशों तक, कर्नाटक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामित करता है।

2. श्री एस. के. हाजरा, कर्नाटक सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी के पदभारों को जिन्हें वे ऐसे पदभार ग्रहण करने से पूर्व धारित कर रहे हों, तत्काल धारण करना बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री एस. के. हाजरा को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कर्नाटक के रूप में कार्य करते हुए कर्नाटक सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाएगा, जैसा की राज्य सरकार द्वारा निर्णीत है।

4. यदि श्री एस. के. हाजरा, को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाता है तो वह इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, कर्नाटक के पदभार से स्वतः हटा दिए गए समझे जाएंगे और अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्यवाई अप्राधिकृत और नास्तिक तथा अकृत और शून्य होगी तथा वे स्वयं को अनुशासनात्मक कार्यवाई के भागी बनाएंगे।

[स. 154/कर्नाटक/97]

आदेश से,

सी. आर. ब्रह्म, सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

O.N. 37.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka hereby nominates Shri S. K. Hajra, IAS, Secretary to Government of Karnataka as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from

the date he takes over charge and until further orders vice Shri A. Bharat.

2. Shri S. K. Hajra shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Karnataka which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri S. K. Hajra while functioning as the Chief Electoral Officer, Karnataka shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of Karnataka, except that he should be designated Secretary to the Government incharge of Election Department in the State Secretariat as decided by the State Government/ Union Territory Administration.

4. If Shri S. K. Hajra is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Karnataka from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/KT/97]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

अ.अ. 38 :—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल, सरकार के परामर्श से श्री एस. के. मागोन के स्थान पर श्री जवाहर सरकार, आई.ए.एस., सचिव पश्चिम बंगाल सरकार को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से और आगामी आदेशों तक, पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामित करता है।

2. श्री जवाहर सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य के पदभारों को जिन्हें वे ऐसे पदभार ग्रहण करने से पूर्व धारित कर रहे हों, तत्काल धारण करना बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री जवाहर सरकार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल के रूप में कार्य करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने



की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाएगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णीत है।

4. यदि श्री जवाहर सिरकार को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाता है तो वे इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल के पदभार से स्वतः हटा दिए गए समझे जाएंगे और अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्यवाही अप्राधिकृत और नास्तिक तथा अकृत और शून्य होगी तथा वे स्वयं को अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बनाएंगे।

[सं. 154/प.ब. /97]

आदेश से,  
सी. आर. ब्रह्म, सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

O.N. 38.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of West Bengal hereby nominates Shri Jawahar Sircar, IAS, Secretary to Government of West Bengal as the Chief Electoral Officer for the State of West Bengal with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri S. K. Magon.

2. Shri Jawahar Sircar shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of West Bengal which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri Jawahar Sircar while functioning as the Chief Electoral Officer, West Bengal shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of West Bengal, except that he should be designated Secretary to the Government in charge of Election Department in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri Jawahar Sircar is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, West Bengal from the date of assumption of such

additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/WB/97]

By Order,  
C. R. BRAHMAM, Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

भा.प्र. 39 :—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग असम सरकार के परामर्श से श्री शरद गुप्ता के स्थान पर श्री भास्कर मुशहरी, आई.ए.एस. सचिव, असम सरकार को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से और आगामी आदेशों तक, असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामित करता है।

2. श्री भास्कर मुशहरी, असम सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य के पदभारों को जिन्हें वे ऐसे पदभार ग्रहण करने से पूर्व धारित कर रहे हों, तत्काल धारण करना बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री भास्कर मुशहरी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम राज्य-क्षेत्र के रूप में कार्य करते हुए असम सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाएगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णीत है।

4. यदि श्री भास्कर मुशहरी, को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाता है तो वह इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम के पदभार से स्वतः हटा दिए गए समझे जाएंगे और अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा दी गई सभी या कोई भी कार्यवाही अप्राधिकृत और नास्तिक तथा अकृत और शून्य होगी तथा वे स्वयं को अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बनाएंगे।

[सं. 154/असम/97]

आदेश से,  
सी. आर. ब्रह्म, सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

O.N. 39.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Assam hereby nominates Shri Bhaskar Mushahary, IAS, Secretary to Government of Assam as the Chief Electoral Officer for the State of Assam with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri Sharad Gupta.

2. Shri Bhaskar Mushahary shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Assam which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri Bhaskar Mushahary while functioning as the Chief Electoral Officer, Assam shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of Assam, except that he should be designated Secretary to the Government in charge of Election Department in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri Bhaskar Mushahary is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Assam from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/AS/97]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

आ.प्र. 40.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क, की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र सरकार के परामर्श से श्री टी.टी. जोसफ के स्थान पर श्री ओ.पी. केलकर, आई.ए.एस., सचिव दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र सरकार को उनके कार्यभार सभालने की तारीख से और आगामी आदेशों तक, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामित करता है।

2. श्री ओ.पी. केलकर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य

के पदभारों को जिन्हें वे ऐसे पदभार ग्रहण करने से पूर्व धारित कर रहे हों, तत्काल धारण करना बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री ओ.पी. केलकर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र के रूप में कार्य करने हुए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाएगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णीत है।

4. यदि श्री ओ.पी. केलकर को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या प्रत्युत्पन्न कराया जाता है तो वह इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र के पदभार में स्वतः हटा दिए गए समझे जाएंगे और प्रलग से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्रवाई अप्रामाणिक और नास्तिक तथा अकृत और शून्य होगी तथा वे स्वयं का अनुयायनात्मक कार्रवाई के भागी बनेंगे।

[सं. 154/दिल्ली/97]

आदेश से,

सी.आर. ब्रह्म, सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

O.N. 40.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of National Capital Territory of Delhi hereby nominates Shri O. P. Kelkar, IAS, Secretary to Government of National Capital Territory of Delhi as the Chief Electoral Officer for the State of National Capital Territory of Delhi with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri T. T. Joseph.

2. Shri O. P. Kelkar shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of National Capital Territory of Delhi which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri O. P. Kelkar while functioning as the Chief Electoral Officer, National Capital Territory of Delhi shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of National Capital Territory of Delhi, except that he should be designated Secretary to the Government in charge of Election Department in the State Secretariat as decided by the State Government/Union Territory Administration.

4. If Shri O. P. Kelkar is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, National Capital Territory of Delhi from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue.

All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/DL/97]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

आ.अ. 41—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से श्री रत्नवीर सिंह के स्थान पर श्री जे. एल. बोस, आई. ए. एस. सचिव मध्य प्रदेश सरकार को उनके कार्यभार पर संभालने की तारीख से और आगामी आदेशों तक, मध्य प्रदेश राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में पदभार नामित करता है।

2. श्री जे. एल. बोस, मध्य प्रदेश सरकार के अर्थात् सभी पदभार किसी कार्य के पदभारों को जिन्हें वे ऐसे पदभार ग्रहण करने के से पूर्व धारित कर रहे हों, तत्काल प्रारम्भ करना बन्द कर देंगे या सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. श्री जे. एल. बोस को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मध्य प्रदेश के रूप में कार्य करने हुए, मध्य प्रदेश सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के प्रभारी सरकार के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाएगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णीत है।

4. यदि श्री जे. एल. बोस को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाता है तो वह इस आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी मध्य प्रदेश के पदभार से स्वतः हटा दिए गए

समझे जाएंगे और अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा अथवा जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्रवाई अप्राधिकृत और नास्तिक तथा अकृत और शून्य होगी तथा वे स्वयं को अनुशासनात्मक कार्रवाई के भागी बनाएंगे।

[स 154/म.प्र./97]

आदेश में,

सी. आर. ब्रह्मम, सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

O.N. 41.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Madhya Pradesh hereby nominates Shri J. L. Bose, IAS, Secretary to Government of Madhya Pradesh as the Chief Electoral Officer for the State of Madhya Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri Ranbir Singh.

2. Shri J. L. Bose shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Madhya Pradesh which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri J. L. Bose while functioning as the Chief Electoral Officer, Madhya Pradesh shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of Madhya Pradesh, except that he should be designated Secretary to the Government incharge of Election Department in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri J. L. Bose is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Madhya Pradesh from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 151/MP/97]

By Order,

C. R. BRAHMAM, Secy.

